

राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर

1. अपील संख्या - 1216/2013/बीकानेर.

2. अपील संख्या - 1217/2013/बीकानेर.

3. अपील संख्या - 1218/2013/बीकानेर.

मैसर्स डागा क्ले प्रा0 लिमिटेड, खजांची मार्केट, बीकानेर.अपीलार्थी.

बनाम

सहायक आयुक्त, वाणिज्यिक कर वृत्त-बी, बीकानेर.प्रत्यर्थी.

एकलपीठ

श्री मनोहर पुरी, सदस्य

उपस्थित : :

श्री वी. के. पारीक, अभिभाषकअपीलार्थी की ओर से.

श्री अनिल पोखरणा,
उप-राजकीय अभिभाषकप्रत्यर्थी की ओर से.

निर्णय दिनांक : 09/02/2016

निर्णय

1. अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा ये तीन अपीलें उपायुक्त (अपील्स), वाणिज्यिक कर विभाग, बीकानेर (जिसे आगे 'अपीलीय अधिकारी' कहा जायेगा) के अपील संख्या क्रमशः 61/आरवैट/बीकानेर/12-13; 60/सीएसटी/बीकानेर/12-13 एवं 59/आरवैट/बीकानेर/12-13 में पारित किये गये पृथक-पृथक आदेश दिनांक 22.04.2013 के विरुद्ध राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 (जिसे आगे 'वैट अधिनियम' कहा गया है) की धारा 83 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई हैं।

2. तीनों अपीलों में पक्षकार एवं विवाद बिन्दु समान होने से तीनों अपीलों का निस्तारण एक ही आदेश से किया जा रहा है। निर्णय की प्रति प्रत्येक पत्रावली पर पृथक-पृथक रखी जा रही है।

3. प्रकरणों के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा आलौच्य अवधियों वर्ष 2008-09 व 2009-10 के दौरान Tipper, Small & Big Excavators व Tractor Trolley की खरीद को Capital Goods की खरीद मानते हुए इस पर चुकाये गये कर का आई.टी.सी. चाहा गया। सहायक आयुक्त, वृत्त-बी, बीकानेर (जिसे आगे 'कर निर्धारण अधिकारी' कहा जायेगा) द्वारा उक्त माल को केपिटल गुड्स की श्रेणी में नहीं मानते हुए चाहा गया आई.टी.सी. अस्वीकृत करते हुए, रिवर्स टैक्स का आरोपण किया गया। कर निर्धारण अधिकारी के आदेशों से क्षुब्ध होकर अपीलार्थी द्वारा अपीलीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गयी अपीलें अपीलीय अधिकारी के अपीलाधीन आदेशों से अस्वीकार किये जाने से व्यथित होकर अपीलार्थी द्वारा ये द्वितीय अपीलें प्रस्तुत की गयी हैं।




लगातार.....2

4. बहस के दौरान विद्वान अभिभाषक अपीलार्थी का कथन है कि कर निर्धारण अधिकारी द्वारा ट्रेक्टर, टिपर व ट्रौली कि खरीद पर चुकाये गए कर के इनपुट टैक्स क्रेडिट को अविधिक, अनौचित्यपूर्ण तरीके से कानून के प्रावधानों के विपरित रिवर्स किया है। अपीलीय अधिकारी ने भी अपीलार्थी के तथ्यों पर विचार किये बिना ही कर निर्धारण अधिकारी के आदेश की पुष्टि करने में त्रुटि कि गई है। निम्नतर प्राधिकारियों ने ये समझने में भूल कि है तथा अपीलार्थी क्ले के विनिर्माण व प्रॉसेसिंग का कार्य करता है जो वाणिज्यिक विपणन योग्य वस्तु है। अपीलार्थी द्वारा क्ले का विनिर्माण किया जाकर विक्रय किया जाता है। इस प्रकार अपीलार्थी ट्रेक्टर, टिपर व ट्रौली कि खरीद पर चुकाये गये कर का इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने का हकदार है। उक्त कथन के साथ विद्वान अभिभाषक ने अपीलार्थी की अपीलें स्वीकार किये जाने पर बल दिया।

5. बहस के दौरान विद्वान उप राजकीय अभिभाषक द्वारा कर निर्धारण अधिकारी एवं अपीलीय अधिकारी के आदेशों का समर्थन करते हुए कथन किया गया कि अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा क्ले को मुख्य रूप से उत्खनित किया जाकर उसकी छंटाई एवं ड्रेसिंग कार्य किया जाता है इस प्रक्रिया से नई व्यापारिक वस्तुओं का निर्माण नहीं होता है खनन के पूर्व भी क्ले होती है तथा खनन के पश्चात् भी क्ले कि बिक्री की जाती है। किसी व्यवहारी को अधिनियम की धारा 18 के प्रावधानों के तहत आगत कर क्लेम तभी देय है, जब राज्य के पंजीकृत व्यवहारी से करयोग्य माल खरीद कर उससे नवीन वस्तु का निर्माण कर पुनः कर योग्य माल के रूप में विक्रय करता है अथवा कोई वस्तु कच्चे माल के रूप में खरीद कर उससे निर्मित नयी वस्तु राज्य/अन्तर्राष्ट्रीय विक्रय/निर्यात करता है अथवा कर योग्य माल खरीद कर राज्य में केपिटल गुड्स के रूप में उपयोग किया जाता है। अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा क्रय किया गया माल केपिटल गुड्स की श्रेणी में नहीं आने से कर निर्धारण अधिकारी एवं अपीलीय अधिकारी द्वारा इस पर आई.टी.सी. की देयता नहीं माने जाने में कोई विधिक त्रुटि नहीं की गयी है। उक्त कथन के साथ विद्वान उप-राजकीय अभिभाषक ने अपीलार्थी की अपीलें अस्वीकार करने का अनुरोध किया।

6. उभय पक्ष की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावलियों का अवलोकन किया गया।

7. अपीलार्थी द्वारा आलौच्य अवधियों के दौरान Tipper, Small & Big Excavators व Tractor Trolley की खरीद केपिटल गुड्स के रूप में किया जाना दर्शाते हुए, इन पर चुकाये गये वैट का आई.टी.सी. चाहा गया है। इस सम्बन्ध में वैट अधिनियम की धारा 18(1) का अवलोकन किया जाना समीचीन होगा :-



18. Input Tax Credit. -

- (1) Input tax credit shall be allowed, to registered dealers, other than the dealers covered by sub-section (2) of section 3 or section 5, in respect of purchase of any taxable goods made within the State from a registered dealer to the extent and in such manner as may be prescribed, for the purpose of -
- sale within the State of Rajasthan; or
 - sale in the course of inter-State trade and commerce; or
 - sale in the course of export outside the territory of India; or
 - being used as packing material of the goods, other than exempted goods, for sale; or
 - being used as raw material, except those as may be notified by the State Government, in the manufacture of goods other than exempted goods, for sale within the State or in the course of inter-State trade or commerce; or
 - being used as packing material of goods or as raw material in manufacture of goods for sale in the course of export outside the territory of India; or
 - being used in the State as capital goods; however, if the goods purchased are used partly for the purposes specified in this sub-section and partly as otherwise, input tax credit shall be allowed proportionate to the extent they are used for the purposes specified in this sub-section.

8. इस सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 2(7) 'केपीटल गुड्स', धारा 2(22) 'मैन्यूफैक्चरिंग' एवं धारा 2(17) 'इन्पुट टैक्स' की परिभाषा निम्न प्रकार हैं :-

2(7) - "**capital goods**" means plant and machinery including parts and accessories thereof, meant for use in manufacture unless otherwise notified by the State Government from time to time in the Official Gazette;

Explanation-For removal of doubts, it is hereby clarified that "capital goods" do not include any equipments or appliances used in an office of a dealer or used in execution of works contract.

2(22) "**manufacture**" includes every processing of goods which brings into existence a commercially different and distinct commodity but shall not include such processing as may be notified by the State Government;

2(17) "**input tax**" means tax paid or payable by a registered dealer in the course of business, on the purchase of any goods made from a registered dealer;

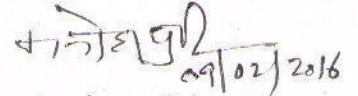
 लगातार.....4

9. माननीय राजस्थान कर बोर्ड के अपील संख्या 2131 / 2011 / चित्तौड़गढ़ मैसर्स मंगलम् मार्बल्स प्रा० लिमिटेड, चित्तौड़गढ़ बनाम उपायुक्त (अपील्स), वाणिज्यिक कर, उदयपुर में पारित निर्णय दिनांक 11.01.2013 एवं मैसर्स वर्धमान टाईल्स उदयपुर बनाम एसीटीओ सर्कल-सी, उदयपुर (2013) 36 टैक्स अपडेट 63 में प्रतिपादित सिद्धान्तों के अनुसार आई.टी.सी. अनुज्ञेय नहीं है।

10. वर्तमान प्रकरणों में अपीलार्थी द्वारा क्रय किये गये विवादित माल का कर योग्य माल के रूप में पुनर्विक्रय किया जाना भी नहीं पाया जाता है तथा माल केपीटल गुड्स की श्रेणी में नहीं आना पाया जाता है। प्रकरण की उपरोक्त परिस्थिति एवं विधिक प्रावधानों के आलोक में अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा क्रय किये गये माल पर चुकाये गये वेट का आई.टी.सी. अनुज्ञेय नहीं होने से कर निर्धारण अधिकारी द्वारा इस सीमा तक अपीलार्थी व्यवहारी का आई.टी.सी. अस्वीकार किये जाने में एवं अपीलीय अधिकारी द्वारा कर निर्धारण अधिकारी के आदेशों की पुष्टि किये जाने में कोई विधिक त्रुटि नहीं की गयी है।

11. परिणामस्वरूप अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा प्रस्तुत तीनों अपीलें अस्वीकार की जाती हैं तथा अपीलीय अधिकारी के पृथक-पृथक पारित किये गये अपीलाधीन आदेश दिनांक 22.04.2013 की पुष्टि की जाती है।

12. निर्णय सुनाया गया।


(मनोहर पुरी)
सदस्य